दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 छह महीने से फर्जी आइएस बनकर घूम रहा था ललित, साला और सहयोगी भी गिरफ्तार

5 यूपी में पांच जिन्दा जलेः जोरदार धमाका

8 मुल्लांपुर में पहली बार होगा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला

UPHIN/2023/90814 | वर्षः 03, अंकः 25 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 15 दिसम्बर ,2025

मनरेगा का नाम बदलकर हुआ 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना'

महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट का नाम अब पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना होगा. केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को एक्ट का नाम बदलने और काम के दिनों की संख्या बढ़ाने वाले बिल को मंजूरी दे दी।

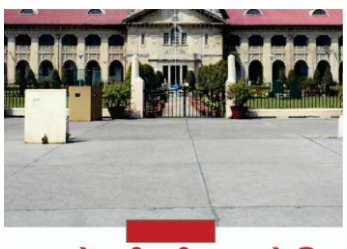

"कमाने वाली पत्नी गुजारा भत्ते की हकदार नहीं" : इलाहाबाद हाईकोर्ट

गोरखपुर में कोहरे से वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंका

कोहरे से वायु गुणवत्ता पर पड़ेगा असर, नमी बढ़ने से प्रदूषण की बनेगी परत,स्वास्थ्य पर पड़ सकता है प्रतिकूल प्रभाव

गोरखपुर में घने कोहरे से वायु गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। नमी बढ़ने के कारण प्रदूषण के कारक निचले स्तर पर जमा हो जाएंगे, जिससे प्रदूषण की परत ...

संवाददाता, गोरखपुर। ठंड में घने कोहरे का वायु गुणवत्ता पर भी असर पड़ेगा। कोहरे के कारण नमी बढ़ने पर प्रदूषण के कारक हवा निचले स्तर पर जमा हो जाएंगे। धूल, धुंआ सहित अन्य तत्वों के हवा संग ऊपर नहीं उठने से प्रदूषण की परत बन जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे एक्यूआइ में बदलाव आएगा। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहायक विज्ञानी राममिलन वर्मा ने बताया कि घना कोहरा और ठंडी स्थिर हवा मिलकर वातावरण में प्रदूषण कणों को ऊपर उठने नहीं देती है। नमी बढ़ने से धूल–धुए के कण आपस में चिपककर और घनी परत बनाते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक प्रभावित होता है। इस समस्या के समाधान के लिए निर्माण स्थलों पर पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। साथ ही कूड़ा–कचरा जलाने पर रोक लगाई गई है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. बीके सुमन ने बताया कि एक्यूआइ बढ़ने से खांसी–जुकाम,गले में जलन, सांस लेने में कठिनाई, आंखों में जलन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए सुबह–शाम अनावश्यक बाहर निकलने से बचें। बच्चों और बुजुर्गों को ठंडी हवा और प्रदूषण से बचाकर रखें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का पहला मणिपुर दौरा

गडकरी बोले- एथेनॉल ब्लेंडिंग से पुरानी गाड़ियों पर कोई असर नहीं

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात की

सिपाही ने काली कमाई से बनाए आलीशान घर

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के कफ सिरप कांड में ईडी की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही, जहां 25 ठिकानों पर 36 घंटे से छापेमारी चल रही है। लखनऊ समेत कई शहरों में फैले करोड़ों के नशा रैकेट की कड़ियां जुड़ी हुई पाई गई हैं और जांच तेज कर दी गई है।

मेसी ने किया अपनी 70 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण!

गोरखपुर जनता दर्शन: सीएम योगी बोले– घबराइए मत, हर समस्या का होगा प्रभावी समाधान

सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। वहां मौजूद लोगों को आश्वासन दिया और बोले– 'घबराइए मत, हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा'। गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद बुधवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा।'

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही।

कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। आत्मीयता के पुट में 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक–एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

जांच में हुआ खुलासा...

एंबुलेंस में ही हो गई थी बच्चे की मौत

बीआरडी मेडिकल कॉलेज से 25 अक्तूबर 2025 को एक बच्चे को गंभीर अवस्था में एंबुलेंस से एम्स भेजा गया था।

एम्स में इलाज न होने के बाद मरीज को निजी अस्पताल लेकर जाते परिजन

गोरखपुर,संवाददाता। एम्स की इमरजेंसी में 25 अक्तूबर को इलाज के लिए लाए गए नवजात की हुई मौत के मामले की जांच के लिए समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। बच्चे की मौत एंबुलेंस में होने की बात सामने आई है। एम्स की इमरजेंसी में 25 अक्तूबर को इलाज के लिए लाए गए नवजात की हुई मौत के मामले की जांच के लिए समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। जांच समिति ने बताया है कि बच्चे की मौत एंबुलेंस में ही हो गई थी। बच्चे की एम्स में मौत हो गई थी। इस मामले में एम्स प्रशासन ने जांच के लिए आठ सदस्यीय टीम का गठन किया था।

सम्पादकीय

सम्पादकीय

वंदे मातरम को पूर्ण करो

क्या राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को गाना अथवा बोलना बाध्यकारी है? क्या उसे जबरन किसी समुदाय पर थोपा जा सकता है? क्या 'वंदे मातरम' को काट–छांट कर उसके साथ विश्वासघात किया गया? 'राष्ट्रगीत' को अपमानित किया गया? क्या 'राष्ट्रगीत' की आत्मा को खंडित किया गया? मौजूदा संदर्भों में सरकार और संसद क्या 'राष्ट्रगीत' की मौलिक गरिमा बहाल कर सकती हैं? क्या 'वंदे मातरम' को अब संपूर्ण रूप दिया जा सकता है और उसे संवैधानिक मान्यता मिल सकती है? हमें लगता है कि आज का प्रासंगिक सवाल यही है। गीत की संपूर्णता ही 'वंदे मातरम' को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। संसद में 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में चर्चा की गई थी। लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी और राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने चर्चा का आगाज किया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को 'राष्ट्रगीत' का दर्जा दिया और गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के 'जन गण मन..' को 'राष्ट्रगान' का सम्मान दिया गया। दोनों की स्थिति संवैधानिक है, लिहाजा स्वीकार्य और अनिवार्य भी है। जबरन अथवा बाध्य करने का सवाल या संदेह नहीं किया जाना चाहिए। ये गीत राष्ट्रीय हैं, लिहाजा धार्मिक, मजहबी आस्थाओं से ऊपर हैं। संविधान के अनुच्छेद 19 में हमें 'अभिव्यक्ति की आजादी' का अधिकार मिला है, तो अनुच्छेद 25 'धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार' प्रदान करता है। ये दोनों गीत भी संवैधानिक उसी तरह हैं, जिस तरह 'तिरंगा' भारत के प्रत्येक हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, तमिल, कन्नड़, तेलुगू से लेकर पूर्वोत्तर के निवासी तक के लिए 'राष्ट्रीय ध्वज' है। 'वंदे मातरम' हमारे देश की आजादी के आंदोलन का गीत था। महात्मा गांधी ने उसे एकता, प्रेरणा और ऊर्जा का गीत माना था। आजादी के आंदोलनों के दौरान 'वंदे मातरम' मुस्लिम क्रांतिवीरों का भी गीत था। उर्दू अखबारों ने भी 'वंदे मातरम' की स्तुति में बहुत कुछ लिखा और छापा था। यदि मुस्लिमवादी नेता जिन्ना ने 'वंदे मातरम' को मुसलमानों की भावनाओं के खिलाफ करार दिया और तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू को उनकी मांग के सामने झुकना पड़ा और 'वंदे मातरम' के छंद काट दिए गए। हमारा मानना है कि उस अध्याय को आज विस्मृत कर देना चाहिए।

वह आज प्रासंगिक भी नहीं है। भारत को आजाद हुए 78 लंबे साल बीत चुके हैं। भारत का अपना संविधान, संवैधानिक व्यवस्था, संसद और केंद्र–राज्य सरकारें हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में कहा कि 'वंदे मातरम' के साथ विश्वासघात किया गया। तत्कालीन मुस्लिम लीग के सामने कांग्रेस ने घुटने टेक दिए। 'वंदे मातरम' के टुकड़े कर दिए गए, वहीं से देश के विभाजन का बीज बो दिया गया। जिन्ना की आपत्ति पर आजादी के आंदोलन, बलिदान, त्याग, तपस्या, एकता, प्रेरणा और ऊर्जा के गीत को खंडित कर दिया गया। नई पीढ़ी को यह विभाजनकारी और नकारात्मक इतिहास पढ़ाने से भी हासिल क्या होगा? उस अतीत पर प्रलाप करके भी कुछ हासिल नहीं होने वाला है। राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने सभापति सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिख कर यह खुलासा किया कि कौन सांसद और राजनीतिक दल 'वंदे मातरम' को गाने के खिलाफ हैं। वे धार्मिक तौर पर इस गीत को स्वीकार नहीं कर सकते, क्योंकि इसमें देवी–देवताओं और कमल के फूल का उल्लेख है। खासकर मुसलमान मूर्ति–पूजा के खिलाफ हैं। वे 'अल्लाह' के अलावा किसी और के सामने झुक नहीं सकते और न ही इबादत कर सकते हैं। क्या इसी आधार पर राष्ट्रीय प्रतीकों और गीतों को खारिज किया जा सकता है? दरअसल इन तमाम दलीलों को छोड़ भी दें, तो यह सवाल सामने है कि अब भारत सरकार 'वंदे मातरम' के लिए क्या कर सकती है? क्या सत्ता पक्ष संसद में संविधान संशोधन पेश करके, 'वंदे मातरम' के सभी छह छंदों को एकजुट करके, 'राष्ट्रगीत' की मान्यता दिला सकता है?

वंदे मातरम और कांग्रेस का संघर्ष

वंदे मातरम और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस की भूमिका को लेकर उस समय बहस शुरू हुई है जब देश के एक हिस्से से अंग्रेजों को गए हुए पचहत्तर साल, दूसरे हिस्से गोवा (जिसे कोंकण भी कहा जाता है) से पुर्तगाल के शासकों (पुर्तगाल का भारत के इस भूभाग पर 451 साल कब्जा रहा और उन शासकों ने इस प्रदेश के अधिकांश लोगों को बल–छल से मसीही मजहब में मतांतरित कर लिया था) को गए हुए लगभग 64 साल, इसी प्रकार भारत के एक और दूसरे भूभाग पुदुच्चेरी से फ्रांस के शासकों को भी गए हुए लगभग 65 साल हो गए हैं। संक्षेप में 1947 में भारत से यूरोपीय कब्जाधारकों के भारत से चले जाने की प्रक्रिया शुरू हुई और वह 1962 तक आते–आते मुकम्मल हो गई। यूरोपीय कब्जाधारियों को भारत के सभी भूभागों से निकालने के लिए देश के लोगों को लंबा संघर्ष करना पड़ा और उसमें लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया। लेकिन भारत की परतंत्रता का युग इन यूरोपीय जातियों द्वारा कब्जा करने से शुरू नहीं हुआ था। इसकी शुरुआत 712 में अरबों द्वारा भारत के तटीय क्षेत्र सिंध पर कब्जा करने से शुरू हो गई थी। अरब में लगभग डेढ़ सौ साल पहले ही नई चेतना आई थी और अरबों ने अपने पुरखों, उनकी विरासत, अपनी आस्थाओं और यहां तक कि मातृभूमि से अपनी प्रतिबद्धता को त्याग कर एक नए मजहब की शुरुआत की थी जिसे उन्होंने इस्लाम का नाम दिया था।

इस मजहब के मानने वालों का दावा था कि उनका मजहब और उसकी नई अरबी सामाजिक व्यवस्था, नया दंड विधान, मानव सृष्टि को लेकर उनकी व्याख्या ही अंतिम व्याख्या है और इस नई सामाजिक व्यवस्था और दंड विधान को मानव निर्मित देशीय सीमाओं को समाप्त कर इसे पूरी दुनिया में स्थापित करने का आदेश उन्हें उनके अल्लाह ने दिया है। इसे वे उम्माह का नाम देते हैं। पूरे विश्व के देशों की सीमाएं समाप्त हो जाएंगी और सारी दुनिया की प्रजा का एक खलीफा होगा। जब तक पूरी दुनिया पर अरब का इस्लामी राज स्थापित नहीं होता, तब तक जितने हिस्से पर राज स्थापित हो जाता है, उस पर ही खलीफा को अधिकार प्राप्त हो जाता है। इस विशाल राज में सैयदों को विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। सैयद मौलवी अल्लाह के कथनों की व्याख्या करते हैं। इस दिशा में अरबों ने अपने प्रयास सातवीं शताब्दी के शुरू में ही कर दिए थे। आश्चर्य की बात है कि उन्हें ईरान, मध्य एशिया इत्यादि स्थानों में सफलता भी मिली। केवल भौगोलिक सफलता ही नहीं, बल्कि उन्होंने इन देशों के लोगों को अरब के इस्लाम मजहब में भी मतांतरित कर दिया। इससे भी ज्यादा आश्चर्य की बात यह है कि तुर्क भी पराजित व मतांतरित होने के बाद उम्माह स्थापित करने के आंदोलन में शामिल हो गए। बाद में अरबों, ईरानियों व तुर्कों के झगड़े भी हुए। यह झगड़े इतने भयानक थे कि खलीफा का पद अरबों से छिन गया और तुर्कों ने हथिया लिया, लेकिन इस प्रकरण का इस अध्ययन से सीधा संबंध नहीं है। लेकिन अरबों, तुर्कों व मुगलों यानी एटीएम ने भारत पर कब्जा कर इसे भी वैश्विक इस्लामी साम्राज्य (दारुल इस्लाम) में शामिल करने के प्रयास आठवीं शताब्दी के पहले दशक में ही शुरू कर दिए थे। भारतीयों ने उनके इस अभियान का शुरू से विरोध करना शुरू कर दिया था। इसलिए भारत में आजादी की लड़ाई आठवीं शताब्दी से ही शुरू हो गई थी। यह विरोध भौगोलिक स्तर पर भी था और सांस्कृतिक स्तर पर भी। इस स्वतंत्रता संग्राम का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि भारत ईरान, मध्य एशिया, मिश्र इत्यादि देशों की तरह इस्लामी राज्य नहीं बन सका। यह ठीक है कि विदेशी अत्याचारी शासकों के दबाव के चलते लाखों की संख्या में भारतीय इस्लाम पंथ में चले गए। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम अपनी सफलता के नजदीक पहुंच चुका था कि यहां यूरोपीय लोगों ने धावा बोल दिया। यूरोपीय लोगों ने भारत पर कब्जा कर लिया और एटीएम वंश के शासन को निर्मूल कर दिया। लेकिन भारतीयों की ओर से स्वतंत्रता की लड़ाई बदस्तूर जारी रही। इसके तौर तरीके बदले, लेकिन लड़ाई नहीं रुकी। रुक भी नहीं सकती थी क्योंकि यहां के लोगों को विदेशी कब्जाधारियों से किसी न किसी रूप में लड़ते रहने का अभ्यास तो था ही। यह ठीक है कि लोगों ने लड़ाई संगठित होकर नहीं लड़ी, इसलिए उतनी सफलता नहीं मिली। शायद पहली बार संगठित ढंग से आजादी की लड़ाई 1857 में लड़ी गई। तब तक मुगल सत्ता दिल्ली के लाल किले तक सिमट गई थी और उस सत्ता के बादशाह अपने दरबारियों से ही सिजदा करवा सकते थे। आजादी की इस पहली लड़ाई में जितना संभव था, सारे भारत ने मिल कर लड़ाई लड़ी। इसमें देसी मुसलमान भी थे। देसी मुसलमान मजहब बदल जाने के बावजूद अपने पुरखों की विरासत से टूटे नहीं थे। लेकिन हैरानी की बात यह है कि उसमें एटीएम के लोग भी थे। सैयद भी इस लड़ाई में अंग्रेजों के कब्जे से मुक्ति के लिए लड़ रहे थे। (वैसे केवल रिकार्ड के लिए कि आजादी की इस लड़ाई में कांग्रेस नहीं थी, उसका कारण था कि सर ह्यूम रोज ने कांग्रेस अभी बनाई नहीं थी), लेकिन एटीएम और डीएम (देसी मुसलमान) के आजादी की इस लड़ाई में शामिल होने के कारण अलग अलग थे। डीएम तो अपने देश की आजादी के लिए लड़ रहे थे। इसके विपरीत एटीएम एक बार फिर इस देश में खत्म हो चुके मुगल वंश की सत्ता के पुनःस्थापित हो जाने की संभावना के चलते लड़ रहे थे क्योंकि अंग्रेजी शासन से लड़ रहे सैनिकों ने लड़ाई का अगुआ प्रतीक रूप से ही सही, मुगल वंश के बचे हुए बहादुर शाह जफर को घोषित कर दिया था। इस लड़ाई में डीएम अपनी पहचान समान मजहब के कारण एटीएम के साथ जोड़ कर नहीं लड़ रहा था बल्कि समान विरासत होने के कारण अन्य भारतीयों के साथ जोड़ कर लड़ रहा था। लेकिन दुर्भाग्य से इस लड़ाई में भारत हार गया और अंग्रेज जीत गए।

उसके बाद का नजारा सारी स्थिति स्पष्ट कर देता है। सैयद तो डर के मारे अंग्रेज हाकिमों को अपनी सफाइयां देने में जुट गए। उर्दू के प्रसिद्ध कवि गालिब ने दस्तंबू लिख कर अंग्रेज बहादुर के माफीनामा पेश कर दिया। सैयद अहमद खान ने 1857 की लड़ाई की मीमांसा करते हुए देसी मुसलमानों को आजादी की लड़ाई में शिरकत करने का दोषी ठहराते हुए उन्हें हजार गालियां निकालीं और एटीएम को अंग्रेजों का फरमाबरदार होने और रहने की कसमें खाईं। खैर भविष्य को सूंघते हुए एक अंग्रेज फरमाबरदार ने कांग्रेस का गठन कर दिया ताकि वह अंग्रेज शासन के लिए भारतीयों के गुस्से के समय 'सेफ्टी वाल्व' का काम कर सके।

कांग्रेस ने सबसे पहले भारत के देसी मुसलमानों को केवल मजहब के आधार पर विदेशी मुसलमानों एटीएम की पहचान में विलीन करने का अराष्ट्रीय प्रयास किया। अभी तक देसी मुसलमान (डीएम) अपने आप को एटीएम का हिस्सा नहीं मानता था, बल्कि वह एटीएम को अपना शोषक, दमनकारी और बाहर से आकर राज करने वाला मानता था। इसी मरहले पर हम वंदे मातरम की अहमियत को सही तरीके से समझ सकते हैं। बंकिम चटर्जी का यह गीत उनके उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा है। आनंदमठ भारत की आजादी की लड़ाई के एक पड़ाव की कथा उपन्यास के माध्यम से कहता है। इसमें भारतीय प्रतीकों का प्रयोग किया गया है। आनंदमठ में आजादी की लड़ाई के जिस युग की कथा है वह युग अंग्रेजों के आने से पहले का है। आजादी की यह लड़ाई तुर्कों, मुगलों के शासन से है क्योंकि जिस युग को लेकर आनंदमठ चला है, वह भारत पर तुर्कों मुगलों के कब्जे का युग है। भारतीयों के लिए तो आजादी की यह लड़ाई 712 से चली हुई है जब अरबों ने सिंध पर कब्जा कर लिया था, लेकिन कांग्रेस के लिए आजादी की यह लड़ाई 1885 से शुरू हुई, जब उसकी एक अंग्रेज ने स्थापना की।

प्राइमरी स्कूलों के खेल फिर से शुरू करो

देश 2030 में राष्ट्रमंडल खेल व 2036 में ओलंपिक आयोजित करने के लिए तैयार है और उसके लिए खिलाडिय़ों की खोज भी अभी से शुरू हो जानी चाहिए। आज जब हर बच्चा स्कूल जा रहा है तो फिर स्कूल से ही प्रतिभाओं को खोज कर प्रशिक्षित करना जरूरी हो जाता है। उसके लिए हर विद्यार्थी को फिटनेस कार्यक्रम से गुजरना जरूरी है। मगर हिमाचल में प्राथमिक स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की चर्चा तो दूर की बात लग रही है। दशकों से चल रहे प्राथमिक स्कूलों के खेलों को ही बंद कर दिया है। क्लासरूम पढ़ाई को संपूर्ण शिक्षा समझने वाले शिक्षा के कर्णधारों को कब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के बारे में ज्ञान होगा? खेल बच्चों को फिटनेस की तरफ मोडऩे का बहुत ही सरल तरीका है और फिटनेस के बगैर जीवन अधूरा है।

शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है।

किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते–आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ–साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है।

शिक्षा की परिभाषा में लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे–धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडिय़ों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना।

रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने–जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी।

सीएम योगी ने गोरखपुर में दो रैन बसेरों का किया निरीक्षण जरूरतमंदों में बांटे कंबल और खाना

सीएम योगी ने गोरखपुर में रैन बसेरों का निरीक्षण किया जरूरतमंदों को कंबल और भोजन का वितरण किया गया खुले में सोने वालों को रैन बसेरों में पहुंचाने का निर्देश

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर जरूरतमंद को शीतलहर से बचाने और सम्मानजनक आश्रय देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए जहां रैन बसेरों को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जा रहा है, वहीं तहसीलों और नगर निकायों को जरूरतमंदों में ऊनी वस्त्र एवं कंबल वितरण और अलाव की व्यवस्था के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार देर शाम/रात गोरखपुर महानगर में दो रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद को रैन बसेरों में अच्छी सुविधा दी जाए। प्रशासन को इसे प्राथमिकता पर लेते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो। साफ–सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही यदि किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रेलवे स्टेशन के पास, तथा झूलेलाल मंदिर के पास बने रैन बसेरों का निरीक्षण कर तथा वहां ठहरे लोगों से बातचीत कर उपलब्ध सुविधाओं की पड़ताल की। रैन बसेरों में मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने रेलवे स्टेशन के पास रैन बसेरे के बाहर भी सैकड़ो जरूरतमंद लोगों में कंबल व भोजन का वितरण कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सेवा को प्रतिबद्ध है।

रैन बसेरों में ठहरे लोगों से मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय संवाद

सीएम योगी ने रैन बसेरों में ठहरे सभी लोगों से कुशलक्षेम जानने के साथ उनसे आत्मीय संवाद भी किया। रैन बसेरों में देवरिया, कुशीनगर, बलिया, गगहा, चौरीचौरा समेत पूर्वांचल के अलग अलग क्षेत्रों के नागरिकों के अलावा बिहार से आए लोग भी ठहरे थे। कोई परीक्षा के सिलसिले में आया था, कोई डॉक्टर को दिखाने के लिए तो कोई काम की तलाश या फिर किसी अन्य कार्य से गोरखपुर आया था। मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि यहां रैन बसेरों में कोई परेशानी तो नहीं। सबने व्यवस्था को लेकर संतोषजनक जवाब दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कुशलक्षेम और जरूरतों के बारे में पूछे जाने पर रैन बसेरों में ठहरे लोग भाव विह्वल हो गए। उन्हें सहसा यकीन नहीं हो रहा था कि उनके ठहरने और भोजन की जानकारी लेने खुद मुख्यमंत्री उनके पास आए हैं।

हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य, कोई भी खुले में न लेटे : मुख्यमंत्री

रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीषण शीतलहर से आमजनमानस के बचाव के लिए शासन और प्रशासन संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। सरकार की तरफ से अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति फुटपाथ, प्लेटफार्म या सड़क पर खुले में न लेटे। यदि कोई ऐसा पाया जाता है उसे रैन बसेरों में पहुंचाया जाए और इसकी निरंतर निगरानी भी की जाए। सभी रैन बसेरों को पूरी क्षमता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा तहसीलों और निकायों को अपने–अपने क्षेत्र में जरूरतमंदों को शीतलहर से बचाने के लिए ऊनी वस्त्र और कंबल वितरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। निकायों और पंचायत को यह निर्देश भी दिए गए हैं कि वे भीषण शीतलहर में जहां भी आवश्यकता हो, पर्याप्त अलाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। यह सभी व्यवस्था प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महानगर गोरखपुर में नगर निगम द्वारा 14 रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है, जहां 700 से 1000 तक जरूरतमंद आश्रय ले सकते हैं। रैन बसेरों के निरीक्षण के दौरान महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रवींद्रदास, नगर निगम बोर्ड के उपसभापति पवन त्रिपाठी, पार्षद ऋषिमोहन वर्मा, धर्मदेव चौहान समेत प्रशासन, पुलिस व नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

गोरखपुर में 98.5 प्रतिशत गणना प्रपत्र हुए फीड कटेंगे 6.24 लाख नाम

गोरखपुर में 6.24 लाख बोगस वोटरों के नाम कटेंगे 98.5 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा चिल्लूपार और पिपराइच डिजिटाइजेशन में सबसे आगे

संवाददाता, गोरखपुर। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बड़े पैमाने पर बोगस और दोहरी प्रविष्टियों वाले वोटरों की पहचान की जा रही है। 36 लाख मतदाताओं वाले जिले में अब तक 98.5 प्रतिशत गणना प्रपत्रों की वापसी और डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। प्रारंभिक समीक्षा में 17 प्रतिशत यानी लगभग 6.24 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की प्रक्रिया तय मानी जा रही है। इनमें शहर विधानसभा क्षेत्रों से करीब 61 हजार और ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों से 63 हजार वोटर शामिल हैं। जिनके नाम कट सकते हैं उनमें मृतक, डबल एंट्री और शिफ्टेड वोटर हैं।

अभियान के तहत प्रपत्र भरने और डिजिटाइजेशन के दौरान कई रोचक तथ्य सामने आए हैं। बड़ी संख्या में ऐसे लोग जिन्होंने वर्षों पहले रोजगार, व्यवसाय या शिक्षा के कारण शहर का रुख किया था और गांव में भी जिनके आवास है, उन्होंने पुनरीक्षण के दौरान अलग–अलग स्थानों से गणना प्रपत्र जमा किए। कई ने माता–पिता के लिए गांव से और स्वयं व पत्नी के लिए शहर से प्रपत्र भरकर प्रस्तुत किए। वहीं, कुछ लोग जो लंबे वक्त से शहर में रह रहे थे, उन्होंने गांव से ही मतदाता बनना बेहतर माना है। उन्होंने वहीं से अपने नाम के सत्यापन के लिए प्रपत्र जमा किए।

जिला प्रशासन के अनुसार, अभियान के दौरान ऐसे कई मामलों का पता चला है जिनमें एक ही व्यक्ति का नाम दो अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों में दर्ज था। खासकर शहर और देहात के मिलेजुले इलाकों में यह समस्या अधिक पाई गई। यही नहीं, कई पुराने रिकार्ड में ऐसे नाम भी मिले जिनके वोटर वर्षों पहले जिले से बाहर जा चुके थे या जिनकी मृत्यु हो चुकी थी, लेकिन प्रविष्टियां अब तक हटाई नहीं गई थीं। डिजिटाइजेशन के मामले में जिले की अन्य विधानसभाओं की अपेक्षा चिल्लूपार और पिपराइच सबसे आगे हैं। चिल्लूपार में 99.92 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है, जबकि पिपराइच विधानसभा में यह आंकड़ा 99.59 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

अधिकारियों का कहना है कि गहन पुनरीक्षण अभियान ने जिले में मतदाता सूची की वास्तविकता को स्पष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बड़ी संख्या में बोगस और दोहरी प्रविष्टियों को हटाने के बाद मतदाता सूची अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय होगी। सत्यापन पूरा होने के बाद अंतिम सूची जारी किए जाने से पहले प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया भी कराई जाएगी, ताकि वास्तविक मतदाताओं का नाम शामिल रहे और किसी का नाम अनुचित कारण से न कटे।

हवा में थी इंडिगो की फ्लाइट...

लखनऊ। हैदराबाद से लखनऊ आ रही एक फ्लाइट में एक यात्री ने जमकर हंगामा किया। उसने ट्रे टेबल तोड़ दी और बवाल करता रहा। फ्लाइट के लैंड होते ही उसे हिरासत में ले लिया गया। हैदराबाद से बुधवार को लखनऊ आ रही इंडिगो फ्लाइट में एक यात्री ने जमकर हंगामा किया। उसने ट्रे टेबल तोड़ दी। क्रू मेंबर ने मना किया तो यात्री तेज आवाज में चिल्लाने लगा। बाद में लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में लेकर सरोजनी नगर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के मुताबिक यात्री 10 दिसंबर को दोपहर इंडिगो की फ्लाइट 6E 1422 से शारजाह से हैदराबाद पहुंचा। हैदराबाद एयरपोर्ट पर बैगेज क्लेम क्षेत्र में अपना बैग और मोबाइल वहीं छोड़कर बिना सामान लिए टर्मिनल से बाहर निकल गया।

गोरखपुर एम्स ने शुरू की खून की मुफ्त जांच, दो दिन बाद मिलेगी रिपोर्ट

संवाददाता, गोरखपुर। एम्स ने खून व पेशाब की जांच बुधवार से शुरू कर दी है। इसके साथ ही बायोकेमिस्ट्री विभाग से जुड़ी दो सौ रुपये की सभी जांच मुफ्त में होने लगी है। खून व पेशाब के नमूने पहले की तरह भूतल के कमरा नंबर 25 में लिए जाएंगे। रिपोर्ट ओपीडी के प्रथम व द्वितीय तल पर दो दिन बाद मिलेगी। जांच ओपीडी के द्वितीय तल पर हो रही है। कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डा. विभा दत्ता ने एम्स में आने वाले रोगियों की सहूलियत के लिए अपने डाक्टरों से खून की जांच कराने का निर्णय लिया था। उन्होंने सभी जरूरी उपकरण मंगवाए और बुधवार से सभी तरह की जांच शुरू करा दी।

25 नंबर कमरे के बाहर बनाए गए तीन काउंटर

डाक्टर ने पर्चे पर खून व पेशाब की जांच लिखी तो रोगी को 34 नंबर काउंटर या प्रथम व द्वितीय तल पर बने काउंटर पर जाकर बिल बनवाना होगा। यदि जांच मुफ्त है तो रुपये नहीं देने होंगे। यदि मुफ्त नहीं है तो रुपये जमा कर कमरा नंबर 25 के बाहर आना होगा। यहां तीन काउंटर लगाए गए हैं। खून व पेशाब की जांच के आधार पर यहीं रोगी को कंटेनर दिए जाएंगे और पर्चा स्कैन किया जाएगा। कंटेनर लेकर रोगी कमरे में जाएंगे। यहां नमूने लिए जाएंगे। यदि डाक्टर ने तत्काल रिपोर्ट मांगी तो कुछ घंटे में जांच के बाद रिपोर्ट दी जाएगी। रिपोर्ट ओपीडी के प्रथम व द्वितीय तल पर मिलेगी।

रुपये बचे तो कार्यकारी निदेशक को दिया धन्यवाद

बुधवार को रोगियों के खून की कई जांच मुफ्त होनी शुरू हो गई। इससे उनको सहूलियत मिली। कई रोगियों की सभी जांच मुफ्त हो गई। कुछ को रुपये देने पड़े। रोगियों व उनके स्वजन ने कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डा. विभा दत्ता का आभार जताया। कहा कि उनके सकारात्मक सोच व रोगी हित के कारण ऐसा संभव हुआ है। रोगियों की सहूलियत और उत्कृष्ट उपचार के लिए ही एम्स है। अभी बायोकेमिस्ट्री की दो सौ रुपये तक की जांच मुफ्त की गई है। दो विभागों से जुड़ी जांच के रुपये जमा कराए जा रहे हैं। बाद में इन दो विभागों से जुड़ी जांच के रेट में भी कमी ले आयी जाएगी।

छह महीने से फर्जी आइएस बनकर घूम रहा था ललित, साला और सहयोगी भी गिरफ्तार

संवाददाता, गोरखपुर। फर्जी आइएस बनकर लोगों से ठगी करने वाले ललित किशोर, उसके साले और सहयोगी को गुलरिहा पुलिस ने बुधवार को जेल भेज दिया। नौकरी और सरकारी विभागों में टेंडर दिलवाने का झांसा देकर ये लोगों से ठगी करता था। लाल बत्ती लगे वाहनों से घूमकर लोगों को आइएएस गौरव कुमार के रूप में खुद को संबोधित करता था। इसने तीन लाख रुपये महीने पर 10 गनर और 60 हजार रुपये महीने पर एक स्टेनों भी रखा था। साथ में एक–दो युवकों को भी लेकर चलता था। जो इसकी वाहवाही कर लोगों को भरोसा दिलाते थे। पुलिस ने इसके पास से सवा चार रुपये समेत अन्य कागजात बरामद किए है। बुधवार को पुलिस लाइंस के व्हाइट हाउस में एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने मामले का पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया पुलिस को एक गुमनाम शिकायती पत्र मिला था, जिसमें बताया गया था कि एक युवक फर्जी आइएएस गौरव कुमार नाम से घूम रहा है और लोगों से ठगी कर रहा।

जांच के क्रम में पता चला कि मूलरूप से बिहार सीतामढ़ी जनपद के स्थानीय थाना, मेहसौल गांव का रहने वाला ललित कुमार फर्जी आइएएस गौरव कुमार बनकर घूम रहा है। सीतामढ़ी जनपद के रीगा थाना, रामनगरा का रहने वाला उसका साला अभिषेक कुमार और गोरखपुर के गोरखनाथ थाना के संतोषनगर लच्छीपुर निवासी परमानंद गुप्ता इसके सहयोग में साथ चलते है।

छह महीने पहले ये गोरखपुर में अपना ठीकाना बनाया था। चिलुआताल में 30 हजार रुपये महीने भाड़े पर मकान लेकर ये रह रहा था। झुगिया बाजार में इसने अपना कार्यालय बना रखा था, जहां से ठगी का जाल फैलाता था। इसके कार्यालय के बाहर आइएएस गौरव कुमार की नेम प्लेट, सरकारी पट्टिकाएं और हूटर लगी गाड़ियां खड़ी रहती थीं।

10 से 12 की संख्या में गनर भी खड़े रहते थे। जिसे देख लोग आसानी से इसके झांसे में आ जाते थे। यहां रहते हुए ललित ने कई प्राइवेट स्कूलों का निरीक्षण किया था। खामियां बताकर स्कूल प्रबंधन से लाखों की वसूली किया था। इसके अलावा विभिन्न आयोजनों में गेस्ट बनकर भी शामिल होता था। यहां आने के बाद आरोपित ने परमानंद से संपर्क किया था, जो वेतन पर आरोपित के बारे में लोगों को विश्वास दिलाता था कि साहब की पकड़ बहुत ऊपर तक है। जो कहते हैं, करते है। परमानंद की बातों में आकर भी कई लोगों ने फर्जी आइएएस से संपर्क कर काम कराने के लिए रुपये दिए थे।

चार राज्यों में कर चुका है धोखाधड़ी, बिहार के मुकुंद ने की थी शिकायत

आरोपित ललित अब तक यूपी, बिहार, झारखंड और मध्यप्रदेश फर्जी आइएएस बनकर लोगों से धोखाधड़ी कर चुका है। गुलरिहा पुलिस की जांच के क्रम में बिहार, पटना के मोकामा निवासी मुकुंद माधव ने पुलिस से मुलाकात की थी। बताया था कि आरोपित ललित से उनकी मुलाकात सितंबर 2024 में अररिया के एक होटल में हुई थी। ललित ने स्वयं को आइएएस बताते हुए बड़े सरकारी टेंडर दिलाने का दावा किया।

भरोसा जीतने के बाद उसने उन्हें गोरखपुर कार्यालय बुलाया। कार्यालय की साज–सज्जा और तामझाम देखकर वह पूरी तरह से भ्रमित हो गया और पहले ही दिन 10 लाख रुपये नकद दे दिए। इसके बाद अप्रैल 2025 से आरोपित ने विभिन्न बैंक खातों में कुल एक करोड़ 70 लाख रुपये ट्रांसफर कराए। अलग–अलग मौकों पर 25 लाख रुपये नकद और दो वाहन, स्कार्पियो और इनोवा भी लिया। जिससे वह बत्ती और हूटर लगाकर घूमता था।

सीएम योगी ने किसान पाठशाला का किया शुभारंभ कम लागत में अधिक उत्पादन पर की चर्चा

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने किसान पाठशाला में खेती की चुनौतियों और उत्पादन को बढ़ाने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी के दौलतपुर में किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने किसानों से कम लागत और अधिक उत्पादन पर चर्चा की।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसान पाठशाला के इस कार्यक्रम में मैं आप सभी का स्वागत करता हूं... हम यहां बहुत नजदीक से देख रहे हैं कि खेती क्या है? खेती की

चुनौतियां क्या है? कम लागत और अधिक उत्पादन से हम कैसे किसानों को खुशहाल कर सकते हैं?..."इसके पहले मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर डीएम शशांक त्रिपाठी और एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने अधीनस्थ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक कर ब्रीफिंग दी। डीएम ने कहा कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी जिस स्थान पर लगी है, वे कार्यक्रम समाप्त होने और सभी लोगों के वहां से निकलने तक उस स्थान से नहीं हटेंगे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के आसपास के खेतों में लगी झटका करंट मशीनें (इलेक्ट्रिक फेंसिंग तुरंत बंद कराने के निर्देश दिए। हेलीपैड के पास बैरीकेडिंग की मजबूती सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने बारीकी से हर पहलू पर समझाया ताकि मुख्यमंत्री के आगमन पर हेलीपैड, किसान पाठशाला और सम्मेलन स्थल पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए।

बचपन में पढ़ाई के साथ मजदूरी और ये काम भी किया

ख्वाब पूरा न हुआ तो 'ख्वाब' में ही जीने लगा फर्जी आईएएस

गोरखपुर,संवाददाता। पकड़ा गया फर्जी आईएएस गौरव कुमार सिंह का ख्वाब पूरा नहीं हुआ तो वह 'ख्वाब' में ही जीने लगा। किस्मत से निराश गौरव ने पहले खुद को आईएएस घोषित किया, इसके बाद फर्जी पहचान बनाई। 2022 में वह सीतामढ़ी में आदित्य सुपर–50 नाम से कोचिंग में पढ़ाने लगा। यहीं से उसकी ठगी की राह शुरू हुई। बिहार के सीतामढ़ी जिले के मेहसौल गांव का गौरव कुमार सिंह उर्फ ललित किशोर करोड़ों की ठगी करने वाले फर्जी आईएएस के रूप में सुर्खियों में है। उसकी जालसाजी की शुरुआत उसके संघर्ष भरे छात्र जीवन से ही हो चुकी थी। उसके पिता चलितर राम पेंट पालिश कर परिवार चलाते थे। बचपन में पढ़ाई के साथ गौरव मजदूरी और पेंट–पालिश भी करता था। अभावों में

पला–बढ़ा गौरव हमेशा बड़ा अफसर बनने का सपना देखता था। सफलता नहीं मिली तो फर्जी आईएएस बनकर फर्जीवाड़ा करने लगा। पुलिस की जांच में पता चला कि 2019 में उसने मैथ्स से एमएससी पूरी की। बड़ा अफसर बनने के सपने के साथ उसने सिविल सेवा की तैयारी शुरू की। तीन साल की मेहनत के बावजूद सफलता नहीं मिली। आर्थिक दबाव बढ़ा तो 2022 में वह सीतामढ़ी में आदित्य सुपर–50 नाम से कोचिंग में पढ़ाने लगा।

यहीं से उसकी ठगी की राह शुरू हुई। कोचिंग में पढ़ने वाले एक छात्र से उसने नौकरी लगाने के नाम पर दो लाख रुपये ले लिए। नौकरी न लगने पर छात्र ने प्राथमिकी दर्ज करा दी।

प्राथमिकी ने तोड़ दिए सारे सपने

गौरव ने पुलिस कस्टडी में बताया कि उस दर्ज प्राथमिकी ने उसके सारे सपने तोड़ दिए। पढ़ाई बची न कॅरिअर। लगा अब जिंदगी बर्बाद हो चुकी है। यही निराशा उसे गलत रास्ते पर ले गई। प्राथमिकी के बाद वह करीब एक साल अंडरग्राउंड रहा। इसी दौरान उसने सोचा कि जब असली आईएएस नहीं बन सकता तो फर्जी ही सही। कुछ महीनों बाद वह नए रूप में सामने आया और परिचितों को बताया कि उसका सिविल सेवा में चयन हो चुका है।

हाइड्रोजन जलयानः बिना शोर और धुएं के एक साथ 50 यात्री गंगा की लहरों का उठा सकेंगे लुत्फ, किराया जान लें

वाराणसी,संवाददाता। देश का पहला हाइड्रोजन जलयान पहली बार नमो घाट से बाबा विश्वनाथ के द्वार तक पांच किलोमीटर चला। इसका संचालन शनिवार से शुरू होगा। यह हाइड्रोजन जलयान 10 करोड़ की लागत से 50 सीटर क्षमता का बना है। गंगा में हाइड्रोजन जलयान का संचालन शनिवार से शुरू हो जाएगा। इसका प्रति व्यक्ति किराया 800 रुपये होगा। इसकी बुकिंग के लिए नमो घाट और रविदास घाट पर दो काउंटर बनाए जाएंगे। इसका संचालन नमो घाट से रविदास घाट तक किया जाएगा। आईडब्ल्यूएआई वाराणसी के निदेशक संजीव शर्मा ने बताया कि दो

अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल बनाए जाएंगे। इसके लिए रामनगर और सामनेघाट में जमीन चिह्नित कर ली गई है। देश के पहले हाइड्रोजन कमर्शियल जलयान का शुभारंभ नमो घाट से हुआ। केंद्रीय पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल व प्रदेश के तीन राज्य मंत्रियों ने एक साथ जलयान को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद जलयान को श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के लिए रवाना किया गया। कोच्चि शिपयार्ड में 10 करोड़ की लागत से 50 सीटर क्षमता का यह हाइड्रोजन जलयान बना है। हाइड्रोजन जलयान ने पहली बार पांच किलोमीटर का सफर गंगा में तय किया। अधिकारियों के मुताबिक इस जलयान में पांच हाइड्रोजन सिलिंडर लगेंगे। यह 12.038 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेगा। विकल्प के तौर पर तीन किलोवाट के सोलर पैनल भी इस जलयान में लगाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार रविदास घाट से नमो घाट के लिए चलते समय अपस्ट्रीम में स्पीड ज्यादा होगी। वहीं नमो घाट से वापसी में डाउनस्ट्रीम में रफ्तार कम होगी। हाइड्रोजन जलयान में ईंधन रीफिलिंग के लिए चार स्टेशन बनाए जाएंगे। यहां हाइड्रोजन के साथ इलेक्ट्रिक चार्जिंग पॉइंट की भी व्यवस्था होगी। रविदास घाट, नमो घाट, ललिता घाट और शिवाला घाट पर यह स्टेशन बनाए जाने हैं। इसमें रविदास घाट पर स्टेशन बना हुआ है। नमो घाट पर निर्माणाधीन है।

कफ सिरप कांडः आलोक सिंह को लेकर धनंजय सिंह का बड़ा दावा

बोले- अखिलेश क्षत्रिय विरोधी करूंगा मानहानि का केस

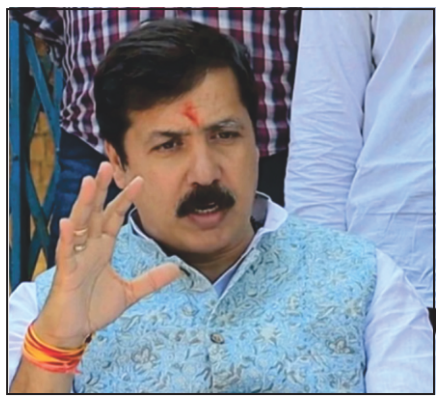

लखनऊ,संवाददाता। धनंजय सिंह ने कोडीन कफ सिरप मामले में संलिप्तता से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि आलोक सिंह से हमारे पारिवारिक रिश्ते हैं। लेकिन, उसके कारोबार और फर्मों से कोई लेना देना नहीं है। अखिलेश क्षत्रिय विरोधी हैं, इसलिए मेरा नाम घसीट रहे हैं। मानहानि का केस करूंगा। उत्तर प्रदेश के जौनपुर से पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कोडीन कफ सिरप मामले में अपनी संलिप्तता से इंकार किया है। साथ ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला। कहा कि अखिलेश क्षत्रिय विरोधी हैं, इसलिए इस प्रकरण में मेरा नाम घसीट रहे हैं। उन्होंने अखिलेश समेत उन्हें बदनाम करने वाले सभी लोगों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी भी दी है।

राजधानी लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में धनंजय ने कहा कि जानबूझकर राजपूत समाज को टारगेट किया जा रहा है। इसका खामियाजा 2027 में अखिलेश यादव को भुगतना पड़ेगा। इस मामले की एसआईटी, ईडी, पुलिस जांच कर रही है। मैंने खुद सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। जांच रिपोर्ट आ जाने दीजिए। वहीं विधायक अभय सिंह पर पलटवार करते हुए माफिया बबलू श्रीवास्तव और मुख्तार अंसारी का करीबी होने का आरोप लगाया। धनंजय ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह के साथ पारिवारिक रिश्ते होने की पुष्टि की। लेकिन, उसके कारोबार और फर्मों की कोई जानकारी होने से मना कर दिया।

आलोक सिंह और अमित सिंह टाटा की रिमांड मंजूर

कफ सिरप सिंडिकेट के सरगना शुभम जायसवाल के साथ तस्करी करने वाले बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह और अमित सिंह टाटा से एसटीएफ पूछताछ करेगी। राजधानी स्थित सीजीएम कोर्ट ने दोनों की शुक्रवार से रविवार तक तीन दिन की कस्टडी रिमांड मंजूर की है। बता दें कि शुभम के साथ फर्जी फर्मों के जरिए सिरप की तस्करी करने के आरोप में वाराणसी निवासी अमित और चंदौली निवासी बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह को गिरफ्तार किया गया था। दोनों ने पूछताछ सहयोग नहीं किया। इसी वजह से एसटीएफ ने कोर्ट से पूछताछ की अनुमति मांगी थी। अब एसटीएफ दोनों से सिंडिकेट के नेटवर्क, दुबई फरार होने, राजनेताओं और माफिया से संबंधों के संबंध में पूछताछ होगी। बता दें कि आलोक सिंह , शुभम, अमित सिंह और फरार विकास सिंह नरवे पूर्व सांसद धनंजय सिंह के करीबी बताए जाते हैं।

रामगोपाल हत्याकांडः प्रतीक्षा, प्रायश्चित..फांसी और उम्रकैद

बहराइच ,संवाददाता। रामगोपाल हत्याकांड में आरोपी सरफराज को फांसी की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने नौ आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। बहराइच जिले में पिछले साल दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान विवाद के बाद रामगोपाल की हत्या हुई थी। हत्या के बाद पूरे जिले में हिंसा भड़क गई थी।

रामगोपाल हत्याकांड... करीब 14 महीने का इंतजार। लंबी प्रतीक्षा, आरोपियों के प्रायश्चित, फांसी और उम्रकैद के फैसले ने कई दौर देखे। बृहस्पतिवार को पीड़ित परिवार की लंबे समय से चली आ रही न्याय की प्रतीक्षा पूरी हो गई। फैसला सुनते ही पिता ने कहा... सच में कानून का राज है। बेटे की आत्मा को अब जाकर शांति मिलेगी। परिवार के सभी सदस्यों की आंखें नम हो गईं। फैसला सुनते ही दिवंगत रामगोपाल की मां मुन्नी देवी खुद पर काबू नहीं रख सकीं। उन्होंने कांपती आवाज में कहा... भगवान का लाख लाख शुक्र है। मेरे बेटे को आज न्याय मिल गया। यह कहते–कहते उनकी आंखों से आंसू टपक पड़े। न्याय की आस आज पूरी हुई।

'भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं'

रामगोपाल के पिता कैलाश नाथ मिश्रा पिछले चार दिनों से मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। उन्हें सांस लेने में दिक्कत है। इस कारण लगातार इलाज चल रहा है। बृहस्पतिवार देर शाम फैसले की खबर जैसे ही अस्पताल पहुंची, उनकी आंखें भर आईं। कमजोर आवाज में उन्होंने कहा... भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं। आज हमारे बेटे को इंसाफ मिला है। अब उसकी आत्मा को शांति मिलेगी।

भाई हरमिलन मिश्रा भी फैसले के बाद भावुक हुए

परिवार की देखभाल और पिता की तीमारदारी में लगे रामगोपाल के बड़े भाई हरमिलन मिश्रा भी फैसले के बाद भावुक दिखे। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने उनके परिवार की उम्मीदों को पूरा किया है और अब वे अपने भाई की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

इलाके में बढ़ाई गई सुरक्षा, पुलिस ने रातभर की गश्त

फैसले के बाद किसी भी तरह की तनावपूर्ण स्थिति न बन सके, इसके लिए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक डीपी तिवारी ने बताया कि महाराजगंज इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस पेट्रोलिंग तेज कर दी गई है। रात के समय भी कस्बे के मोहल्लों में गश्त जारी रहेगी। अदालत के निर्णय के बाद किसी भी पक्ष द्वारा अनावश्यक भीड़ न जुटे, इसके लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

बिरयानी की दुकान के होर्डिंग पर पाकिस्तान का झंडा, हुआ बवाल

हिन्दूवादी नेता घायल

बस्ती ,संवाददाता। विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पुलिस को बताया कि बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी, गोविंद दास और अन्य साथी मंगलवार की रात अयोध्या से लौट रहे थे। इसी दौरान शंकरपुर में बिरयानी की दुकान पर लगा होर्डिंग दिखा। दरअसल, होर्डिंग पर पाकिस्तान के झंडे की तर्ज पर हरे रंग के बैकग्राउंड पर चांद–सितारा बना हुआ था। अयोध्या–बस्ती फोरलेन के किनारे छावनी थाना क्षेत्र के शंकरपुर में बिरयानी की एक दुकान पर लगे होर्डिंग को लेकर मंगलवार देर रात मारपीट हो गई। इसमें हिंदूवादी नेता गोविंद दास गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि होर्डिंग पर पाकिस्तान के झंडे की तरह हरे रंग के बैकग्राउंड पर चांद–सितारा बना हुआ था। आरोप है कि इसे लेकर सवाल उठाए जाने पर दुकानदार और उसके समर्थकों ने हमला कर दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पुलिस को बताया कि बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी, गोविंद दास और अन्य साथी मंगलवार की रात अयोध्या से लौट रहे थे। इसी दौरान शंकरपुर में बिरयानी की दुकान पर लगा होर्डिंग दिखा। दरअसल, होर्डिंग पर पाकिस्तान के झंडे की तर्ज पर हरे रंग के बैकग्राउंड पर चांद–सितारा बना हुआ था। आरोप है कि दुकानदार से यह होर्डिंग हटाने के लिए कहा गया तो उसने विवाद शुरू कर दिया। अखिलेश और मनमोहन समेत अन्य नेताओं का आरोप है कि विवाद की सूचना दिए जाने पर पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने तक आरोपी उग्र हो गए और मारपीट शुरू कर दी जिसमें गोविंद दास गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रदेश की कड़ाके की सर्दी के बीच 10 लाख बच्चों को नहीं मिले जूते–मोजे और स्वेटर के पैसे

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। बावजूद इसके अभी भी प्रदेश् के 10 लाख स्कूली बच्चों के खाते में डीबीटी की राशि नहीं पहुंची है। परिषदीय विद्यालयों में लंबी कवायद के बाद भी करीब दस लाख बच्चों को यूनिफार्म और जूते–मोजे की रकम का इंतजार है। हालांकि, इसमें से ज्यादातर का कारण इन बच्चों के अभिभावक ही हैं। कुछ अभिभावकों के आधार कार्ड ही नहीं बने हैं तो कुछ के आधार बैंक खाते से लिंक नहीं हैं। इससे डीबीटी में दिक्कत हो रही है।

बेसिक शिक्षा विभाग अभियान चलाकर छूटे बच्चों को बैग, जूते–मोजे, स्वेटर व स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये डीबीटी करने की कवायद कर रहा है, लेकिन बड़ी संख्या में छात्र अभी वंचित हैं जबकि ठंड शुरू हो गई है। विभाग के मुताबिक लगभग 6.50 लाख अभिभावक ऐसे हैं जिनके आधार तो बने हैं लेकिन खाते से लिंक नहीं हैं। करीब 3.50 लाख अभिभावकों के आधार ही नहीं बने हैं। हालांकि, विभाग बीआरसी पर कैंप लगाकर अभिभावकों के आधार कार्ड बनवा रहा है। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि जिलों में बच्चों के लंबित डाटा का सत्यापन कर उसे जल्द आगे बढ़ाएं। जिनके बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हैं उनको जल्द पूरा कराकर डीबीटी कराएं। कहा, ठंड में कोई भी बच्चा बिना स्वेटर के स्कूल न आए। इसका कड़ाई से पालन करें।

> **लगभग 6.50 लाख अभिभावक ऐसे हैं जिनके आधार तो बने हैं लेकिन खाते से लिंक नहीं हैं। करीब 3.50 लाख अभिभावकों के आधार ही नहीं बने हैं।**

जालसाजों ने बसा दिया 400 घुसपैठियों का परिवार

एनआईए के हस्तक्षेप से खुली फर्जीवाड़े की पोल

लखनऊ,संवाददाता। जालसाजों ने किसी परिवार में 25, तो किसी में 11 से 15 बच्चों तक के फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बना दिए। जांच में नुरुद्दीनपुर, लहुरेपुर व गढ़ी इस्लामनगर के पते पर एक भी परिवार नहीं मिला। जन्म प्रमाणपत्रों के फर्जीवाड़े में शामिल जालसाजों ने बांग्लादेशी, रोहिंग्या व पाकिस्तानी संदिग्ध घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिले के सलोन ब्लॉक के नुरुद्दीनपुर, लहुरेपुर, गढ़ी इस्लामनगर गांव में कागजों पर ही 400 से अधिक परिवार बसा दिए। किसी परिवार के 25 तो किसी में 15 से 11 बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र बनाए गए। जांच में गांवों में संबंधित परिवार नहीं मिले। बुधवार को यहां के 250 से अधिक फर्जी प्रमाणपत्रों को निरस्त किया गया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के हस्तक्षेप के बाद जांच हुई तो फर्जीवाड़े की पोल खुलनी शुरू हो गई। नुरुद्दीनपुर गांव के आरिफ मलिक के 15 बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र बनाया गया, लेकिन जांच में गांव में परिवार नहीं मिला। अजमत अली के 13, इमरान खान के नौ बच्चों के साथ ही ऐश मोहम्मद, अब्दुल अजीज, अब्दुल अली व अकबर अली का भी गलत तरीके से गांव में पता दिखा कर प्रमाणपत्र बनाए गए। इनमें से चार बांग्लादेशी व दो रोहिंग्या मिले। रायबरेली के जिला पंचायतराज अधिकारी सौम्यशील सिंह का कहना है कि फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों को निरस्त कराया जा रहा है। बार–बार सर्वर के प्रभावित होने से समस्या हो रही है। अब तक 1046 प्रमाणपत्र निरस्त किए जा चुके हैं। एसआईआर का काम पूरा होने के बाद कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर इसमें तेजी लाई जाएगी।

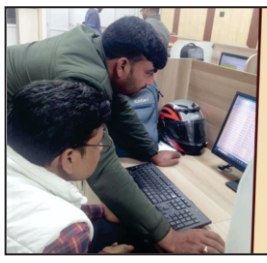

अमिताभ ठाकुर को 13 दिन की रिमांड पर भेजा गया जेल

दिवानी न्यायालय में पुहंचे मिताभ ठाकुर

देवरिया,संवाददाता। अमिताभ ठाकुर को देवरिया पुलिस ने शाहजहांपुर स्टेशन पर ट्रेन से उतारा। देवरिया में उन पर कुछ दिन पहले केस दर्ज हुआ था। उन्हें जांच में सहयोग नहीं करने पर गिरफ्तार किया गया है। उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन के लिए रिमांड पर भेज दिया गया। पूर्व आईपीएस व आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर को बुधवार को देवरिया के न्यायालय में पेश किया गया।

जहां से उन्हें 14 दिन के लिए रिमांड पर भेज दिया गया। मंगलवार को लखनऊ से दिल्ली जाने के दौरान देवरिया पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पेशी के पहले बुधवार दोपहर में दिवानी कचहरी में कई थानों की पुलिस फोर्स पहुंची थी। अमिताभ ठाकुर को देवरिया पुलिस ने शाहजहांपुर स्टेशन पर ट्रेन से उतारा। देवरिया में उन पर कुछ दिन पहले केस दर्ज हुआ था। उन्हें जांच में सहयोग नहीं करने पर गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि अमिताभ ठाकुर ने कुछ दिन पहले अधिवक्ता अखिलेश दुबे की संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग की थी। इसके लिए मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर को पत्र भी लिखा था। उन्होंने मंडलायुक्त कार्यालय के एक कर्मचारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे।

प्त्र के अनुसार उन्होंने साकेतनगर स्थित पार्क की जमीन पर कब्जाकर किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस बनाने और अखिलेश दुबे के कार्यालय के आवंटन की जांच की मांग की थी।

यूपी में पांच जिन्दा जलेः जोरदार धमाका

चीखें और 10 सेकंड में भीषण आग, मां और 4 बच्चों ने तड़प–तड़पकर तोड़ा दम

बाराबंकी ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार को दर्दनाक हादसा हुआ। हैदरगढ़ के पास एक कार ने दूसरी में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों कार आग गोला बन गई। दर्दनाक हादसे में मां और चार बच्चों की जलकर मौत हो गई। जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं, पांचों लोगों को लखनऊ में भर्ती कराया गया है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में दर्दनाक हादसा हुआ। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दो कारों की भिड़ंत के बाद आग लग गई। दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मां और चार बच्चे शामिल हैं। हादसे में पांच लोग घायल भी हो गए। दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार दोपहर करीब तीन बजे हैदरगढ़ के डीह गांव के पास सड़क हादसे में आजमगढ़ में तैनात वाराणसी निवासी सिपाही जावेद अशरफ की पत्नी, तीन बेटियों और एक बेटे की मौत हो गई। हादसे में पांच लोग घायल भी हो गए, जिसमें दो की हालत गंभीर है। सभी को लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिशान ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कार थोड़ी देर के लिए रोकी थी। परिवार के सदस्य पानी पी रहे थे। इसी दौरान आजमगढ़ की ओर से आ रही ब्रेजा कार पीछे से वैगनआर में टकरा गई। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ और दोनों कारों में आग लग गई।

> **बाराबंकी के एसपी अर्पित विजयवर्गीय के अनुसार, जावेद अशरफ की पत्नी गुलिस्ता (49), पुत्री समरीन (22), इल्मा (12), इश्मा (6) और पुत्र जियान (10) सीएनजी वैगन आर कार से आजमगढ़ से लखनऊ आ रहे थे। कार को जावेद का साला मऊ जिले का खानपुर घोसी निवासी जिशान (30) चला रहा था।**

घटनास्थल से दूर पड़े थे मां और बेटे के शव

बचाव के लिए स्थानीय लोग, यूपीडा की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। गुलिस्ता व पुत्र जियान के शव घटनास्थल से दूर पड़े थे। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया तो पुत्री समरीन, इल्मा व इश्मा कार के अंदर ही फंसकर बुरी तरह जली मिलीं। तीनों दम तोड़ चुकी थीं।

वैगनआर के सीएनजी सिलिंडर फटने से आग लगने की आशंका

वहीं, जिशान को गंभीर हालत में बाहर निकाला गया। वहीं, ब्रेजा कार में सवार दिल्ली के दक्षिणपुरी निवासी दीपांशु मिश्रा (24), बहन दीप्ति मिश्रा (16), परिवार की ही तृप्ति मिश्रा (17) और प्रगति मिश्रा (23) गंभीर रूप से घायल हो गए। एसपी के अनुसार, भिड़ंत से वैगनआर के सीएनजी सिलिंडर फटने से आग लगने की आशंका है। विशेषज्ञ इसकी जांच कर रहे हैं।

जोर का धमाका...चीखें और 10 सेकंड में आग का गोला बनीं कारें

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर डीह गांव के पास बुधवार दोपहर बाद तीन बजे हादसे का मंजर देखकर सर्विस रोड पर खड़े ग्रामीणों की सांसें थम गईं। एक्सप्रेसवे पर अचानक तेज धमाका हुआ...करीब आठ से 10 सेकंड तक चीखें सुनाई पड़ीं और फिर देखते ही देखते आपस में भिड़ीं दोनों कारें आग के गोले में तब्दील हो गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ग्रामीण व दुकानदार चीखते हुए ऊपर की ओर भागे। 15 व 20 मीटर की दूरी पर एक महिला और बच्चे के शव पड़े थे। सन्नाटे के बीच धुएं और आग की लपटें नजर आ रही थीं। पुलिस के अनुसार, मऊ के घोसी क्षेत्र के जिशान (30) अपनी बहन गुलिश्ता परवीन उर्फ चांदनी (49) और उनकी तीन बेटियों समरीन, इलमा, इश्मा और बेटे जियान के साथ लखनऊ जा रहे थे। लोगों ने बताया कि अचानक वैगन–आर कार रुकी। सभी लोग उतरे। सर्विस रोड पर पानी और नाश्ता लिया। अभी चार लोग कार में बैठ ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने इतनी जोरदार टक्कर मारी कि आग धधक उठी। कुड़वा के प्रधान अनिल सिंह, शैलेंद्र सिंह, द्वारिका प्रसाद, विजय कुमार, दीपक धमाके की आवाज सुनते ही वे कंटीले तार फांदकर ऊपर चढ़े। सामने का दृश्य देखकर सहम गए। पीछे की कार में दिल्ली के दक्षिणपुरी निवासी दीपांशु मिश्रा, दीप्ति, तृप्ति, प्रगति को ग्रामीणों ने किसी तरह कार से बाहर खींचकर निकाला।

20 मिनट बाद यूपीडा तो 40 मिनट बाद पहुंची पुलिस

घटनास्थल तक यूपीडा की सुरक्षा टीम पहुंचने में पूरे 20 मिनट लग गए। पुलिस 40 मिनट बाद पहुंची, तब तक कार जल चुकी थी। डीएम शशांक त्रिपाठी और एसपी अर्पित विजयवर्गीय भी मौके पर पहुंचे और जांच के आदेश दिए।

ग्रामीणों ने बताई आंखों देखी

ग्रामीणों ने बताया कि हमने देखा हाईवे पर कार में आग लगी है। जब वहां पास गए, तो हम डर गए। उसमें आदमी जल रहे थे। हम चाहकर भी मदद नहीं सके। क्योंकि आग की लपट इतनी तेज थी कि पास जाना तक मुश्किल था। हमने जो मंजर अपनी आंखों देखा, अभी तक मेरे जहन से हट नहीं रहा है।

महराज जी! मेरी जमीन पर कब्जा हो गया है

सीएम ने दिए निर्देश– वापस दिलवाएं कब्जा, फिर न हो परेशानी

गोरखपुर,संवाददाता

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने लगभग 300 लोगों की समस्याएं सुनीं। एक महिला ने अपनी ही जमीन पर काबिज होने के संबंध में कुछ लोगों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने की समस्या पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि महिला को उनकी जमीन पर कब्जा दिलाया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 300 लोगों से मुलाकात की।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कहा कि सरकार की मंशा है कि हर जरूरतमंद के पास पक्का आवास हो। जनता दर्शन में एक महिला ने अपने पति की बीमारी में इलाज के लिए मदद की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला को आश्वस्त किया कि वह अपने पति का अच्छे से इलाज कराएं, पैसे की व्यवस्था विवेकाधीन कोष से करा दी जाएगी। इलाज में आर्थिक मदद मांगने कई अन्य लोग भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। एक महिला ने अपनी ही जमीन पर काबिज होने के संबंध में कुछ लोगों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने की समस्या पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि महिला को उनकी जमीन पर कब्जा दिलाया जाए।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी पात्र को योजनाओं का लाभ मिलने में अड़चन आ रही हो तो इसकी जांच जरूर करें कि किसी स्तर पर लापरवाही तो नहीं बरती गई। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

कई जिलों में

कोहरे की चादर

तापमान गिरने से इन इलाकों में बढ़ी ठिठुरन

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए उत्तर प्रदेश के तराई जिलों कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर और बहराइच में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोंडा, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में कोहरे का येलो अलर्ट है।

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में सर्दी का असर बढ़ता जा रहा है। कोहरा एक के बाद एक कई जिलों को अपने प्रकोप में ले रहा है। गुरुवार को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों में घना कोहरा देखने को मिला। उत्तर प्रदेश में बढ़ती ठंड के साथ ही सुबह और रात के समय घना कोहरा लोगों को प्रभावित कर रहा है। विशेषकर तराई इलाकों में सुबह के समय घने कोहरे की चादर देखने को मिल रही है। लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए उत्तर प्रदेश के तराई जिलों कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर और बहराइच में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोंडा, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में कोहरे का येलो अलर्ट है।

कुशीनगर में दृश्यता शून्य तक जा पहुंची। वहीं बहराइच में दृश्यता 25 मीटर दर्ज हुई। इधर मौसम को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर प्रदेश में 12 दिसंबर से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से यूपी के मौसम में एक बार फिर उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में दो दिन बाद एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से यहां तीन चार दिनों तक पूर्वा हवाएं चलेंगी। कहीं कहीं छिटपुट बादल दिखाई दे सकते हैं। साथ ही दिन व रात के पारे में फिर से हल्की बढ़त देखने को मिलेगी।

कौन था वो सिपाही जो लेडी कांस्टेबल को थाने के बाहर तक छोड़ने आया

थानाध्यक्ष मौत मामले में नया अपडेट

कौन था वो, जिसमें मीनाक्षी को थाने के बाहर तक छोड़ा

मीनाक्षी के साथी पुलिस कर्मी की एसआईटी को तलाश

जालौन,संवाददाता। जालौन जिले के कुठौंद थाना प्रभारी अरुण राय की मौत के मामले में नया अपडेट सामने आया है। महिला सिपाही मीनाक्षी को थाने तक ले जाने वाले पुलिस कर्मी की तलाश की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि वो सिपाही कौन था। यूपी के जालौन जिले के कुठौंद थाना प्रभारी अरुण राय की गोली लगने से हुई मौत के मामले में आरोपी महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा भले ही जेल चली गई हो, लेकिन इस पूरे मामले की अभी तक जांच पूरी नहीं हो पाई है। सूत्रों की माने तो घटना के दिन महिला सिपाही को एक पुलिस कर्मी थाने तक ले गया था। गठित एसआईटी उस पुलिस कर्मी की तलाश कर रही है। कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय की थाना परिसर स्थित अपने आवास में शुक्रवार को पिस्टल से गोली लगने से मौत हो गई थी। उनकी पत्नी माया की तहरीर पर पुलिस ने महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इंस्पेक्टर की मौत कैसे हुई?

पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। यहां से उसे जेल भेज दिया गया था। इंस्पेक्टर की मौत कैसे हुई। इसकी जांच करने के लिए एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार ने पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है जो पूरे मामले की जांच कर रही है।

कफ सिरप तस्करीः आठ साल में करोड़पति बना कैंटर चालक आसिफ

मेरठ,संवाददाता। किठौर क्षेत्र के राधना गांव का आसिफ नशीले कफ सिरप की तस्करी कर कुछ ही वर्षों में करोड़पति बन गया। गाजियाबाद पुलिस को उसकी तलाश है। दुबई, ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस में होटल चलाने वाला आसिफ 2020 से दुबई में रहकर तस्करी का नेटवर्क चला रहा है। नशीले कफ सिरप के मामले में गाजियाबाद पुलिस को जिस आसिफ की तलाश है वह मेरठ के किठौर थाना क्षेत्र के गांव राधना का निवासी है। आसिफ बीते पांच साल से नशीले कफ सिरप की खाड़ी देशों में तस्करी कर रहा है। वर्तमान में दुबई में है।

दुबई और आस्ट्रेलिया में उसके होटल हैं। होटल कारोबार के साथ ही वह ट्रांसपोर्ट का भी काम करता है। इसी की आड़ में वह नशीले कफ सिरप की तस्करी करता है। ग्रामीणों के अनुसार आठ साल पहले वह कैंटर चालक था, आज वह करोड़पति है। ग्रामीणों के अनुसार, राधना निवासी आसिफ दस साल पहले कुवैत में ट्रक चलाता था। वहां उसका एक दोस्त भी ट्रक चलाता था। कुवैत में दोस्त की मौत होने पर आसिफ वहां से लौट आया था। उसने दोस्त की पत्नी से शादी कर ली और उसकी देहरादून में संपत्ति बेचकर कैंटर बनाया था। गांव का नदीम अपने कैंटर से एक कंपनी का कफ सिरप सप्लाई करता था।

आसिफ ने भी नदीम के साथ अपना कैंटर लगा लिया। तब उसे पता चला कि नदीम कंपनी के कफ सिरप की आड में नशीला कफ सिरप भी सप्लाई करता था। वह बांग्लादेश के रास्ते खाड़ी देशों में नशीले कफ सिरप की तस्करी करता था। 2016 में दिल्ली नॉरकोटिक्स विभाग ने नदीम को गिरफ्तार किया था। कोर्ट से उसे जेल भेज दिया गया था। इसके बाद नशीले कफ सिरप की तस्करी का पूरा कारोबार आसिफ ने संभाल लिया था। नदीम की पैरोकारी करने वाली उसकी अधिवक्ता से आसिफ ने शादी कर ली। इसी बीच पहली पत्नी की अचानक एक दिन संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

2020 में चला गया था दुबई

ग्रामीणों के मुताबिक, 2020 में आसिफ दुबई में जाकर बस गया। वहां पर उसने दो होटल लीज पर लिए। साथ ही ट्रांसपोर्ट का भी काम किया। इसी के जरिए वह कुछ ही साल में करोड़पति बन गया।

अल्ट्रासाउंड जांच में जुड़वा की पुष्टि, जन्मी सिर्फ एक बच्ची

बरेली,संवाददाता। महिला अस्पताल से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। महिला ने दो अलग–अलग जगह अल्ट्रासाउंड जांच कराई, जिसमें जुड़वा बच्चों की पुष्टि हुई। लेकिन महिला ने जन्म सिर्फ एक ही बच्ची को दिया। इससे प्रसूता और उसके घरवाले हैरान हैं। परिजनों की शिकायत पर सीएमएस ने जांच शुरू कराई है। बरेली में गर्भवती ने अलग–अलग दो केंद्रों (निजी व सरकारी) पर अल्ट्रासाउंड जांच कराई तो जुड़वा बच्चे होने की पुष्टि हुई। आठ दिसंबर को महिला अस्पताल में उसका प्रसव हुआ तो प्रसूता और परिजनों को एक ही बच्ची के जन्म की जानकारी दी गई। परिजनों ने डॉक्टर और स्टाफ से इस बारे में पूछा तो उन्होंने जांच रिपोर्ट में तकनीकी खामी की आशंका जताई। अब सीएमएस ने प्रकरण की जांच शुरू कराई है। भुता के गजनेरा निवासी सुरेश बाबू की पत्नी राजेश्वरी देवी को आठ दिसंबर को सुबह प्रसव पीड़ा शुरू हुई। आशा कार्यकर्ता गुड्डी देवी के साथ वह महिला अस्पताल पहुंचीं। अपराह्न 3:30 बजे एक बच्ची का जन्म हुआ।

ग्लैमरस लुक्स

टीवी की संस्कारी बहू नायरा रियल लाइफ में बेहद ही ग्लैमरस है. अक्सर उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा रहती हैं।

एंटरटेनमेंट डेस्क। टीवी की संस्कारी बहू नायरा रियल लाइफ में बेहद ही ग्लैमरस है. अक्सर उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा रहती हैं. इसी बीच आइए देखते हैं उनके ये ग्लैमरस लुक्स. टीवी की संस्कारी बहू के तौर पर घर–घर में पहचान बनाने वाली शिवांगी जोशी उर्फ 'नायरा' हमेशा से अपनी मासूमियत और लुक्स के लिए पसंद की गई हैं. लेकिन रियल लाइफ में शिवांगी का ग्लैमरस अंदाज उनके ऑन–स्क्रीन अवतार से बिल्कुल अलग और बेहद स्टाइलिश नजर आता है. सोशल मीडिया पर उनकी हर तस्वीर कुछ ही मिनटों में वायरल हो जाती है और फैन्स उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थकते.

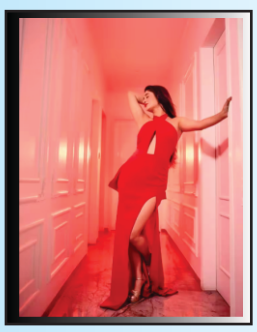

शिवांगी सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. जहां फैंस उनकी खूबसूरती और लुक्स को जमकर तारीफ करते हैं.
इस फोटो में शिवांगी बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं. उनके लुक को बात करें तो उन्होंने ब्लू कलर की हाई स्लिट कट ड्रेस पहनी है. उन्होंने अपने इस लुक और भी ग्रेसफुल बनाने के लिए सटल मेकअप किया है और कर्ली हेयर रखे हैं. उनका ये लुक काफी ग्लैमरस है. इस ग्रीन कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस कमाल की लग रही हैं. उन्होंने मरमेड स्कर्ट पहनी है जिसके साथ उन्होंने स्टाइलिश ब्लाउज कैरी किया है. लुक को और भी अट्रेक्टिव बनाने के लिए उन्होंने मैचिंग ईयररिंग्स भी पहने. लाइट मेकअप और बन बनाकर एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया.
एक्ट्रेस का ये लुक बेहद ही खास है. उन्होंने हाई स्लिट कट मरमेड स्कर्ट पहनी है साथ ही ब्लाउज कैरी किया. अपने इस लुक को और भी ग्रेसफुल बनाने के लिए उन्होंने सटल मेकअप किया और ओपन हेयर रखे. इस फोटो में एक्ट्रेस रेड कलर की स्टाइलिश ड्रेस पहने नजर आ रही हैं. लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने मैचिंग हील्स भी कैरी की. उन्होंने अपने मेकअप को सटल रखा है और बन हेयरस्टाइल बनाई है, एक्ट्रेस का ये लुक काफी मॉडर्न है. ग्रीन कलर का हाई स्लित कट गाउन पहना है, जिसमें वो बला की हसीन दिख रही हैं. आपके इस लुक में और चमक लाने के लिए एक्ट्रेस ने सटल मेकअप किया है और हेयर स्टाइल बनाई है. इस रेड कलर की ड्रेस में एक्ट्रेस कहर ढा रही हैं. उनका ये अंदाज और कॉन्फिडेंट पोज उनकी खूबसूरती को और भी निखार रहा है।

20 साल बड़े एक्टर संग किया रोमांस

रणवीर सिंह को फिल्म धुरंधर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी हैं. फिल्म को फैंस का खूब प्यार मिल रहा है. साथ ही फिल्म की एक्ट्रेस सारा अर्जुन की भी खूब चर्चा हो रही हैं. इसी बीच आइए जानते है कौन है ये 20 साल की हसीना जिसने फिल्म में 40 साल के एक्टर संग किया रोमांस. सारा अर्जुन की बात करें तो वो एक स्टारकिड हैं. सारा साउथ के मशहूर एक्टर राज अर्जुन की बेटी हैं. सारा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी. सारा ने अपना करियर विज्ञापनों से शुरू किया था.मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सारा पांच साल की उम्र तक 100 से ज्यादा टीवी विज्ञापनों में नजर आ चुकी थीं.
इसके बाद सारा ने तमिल फिल्म 'देवा थिरुमगल' (2010) से पहचान बनाई, जिसमें उन्होंने विक्रम की बेटी का किरदार निभाया. उन्होंने 'एक थी डायन', 'सांड की आंख', और 'पोन्नियिन सेल्वन' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। इस फिल्म को दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म के एक्टर्स की भी जमकर तारीफ की जा रही हैं. 20 साल की सारा और 40 साल के रणवीर फिल्म 'धुरंधर' में एक–दूजे संग रोमांस करते नजर आए. फिल्म में दोनों का अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है।

'रहमान डकैत' का स्वैग हुआ वायरल

जोशी का ग्लैम लुक

दिल्ली,एजेंसी। टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने जब अपना ब्लैक साड़ी वाला ग्लैम फोटोशूट शेयर किया, तो सोशल मीडिया पर मानो हलचल मच गई.उनकी स्मूद मेकअप लुक, ओपन हेयर और एलीगेंट साड़ी ने फैंस को इतना इंप्रेस किया कि लोग कमेंट सेक्शन में उन्हें हॉटी, स्टनिंग और फायर कहकर सराहते नहीं रुके. उनका ये लुक कुछ ही देर में इंस्टाग्राम पर ताबड़तोड़ वायरल हो गया.

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने हाल ही में अपना एक फोटोशूट शेयर किया, जिसमें उनका ब्लैक साड़ी वाला लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. ये फोटोज आते ही इंस्टाग्राम पर इतनी तेजी से फैलीं कि फैंस कमेंट सेक्शन में फायर, किलर, स्टनिंग जैसी तारीफें करते नहीं थक रहे. इस फोटोशूट में एक्ट्रेस का पूरा वाइब बेहद ग्लैमरस और एफ़र्टलेस्ली बोल्ड दिखाई दे रहा है. तस्वीर में एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर की बेहद एलीगेंट साड़ी कैरी की है, जिसका फॉल सॉफ्ट और शीयर फैब्रिक में है, जो लुक को सब्टल से लेकर क्लासी तक बना रहा है. उनका ब्ला उज डीप–नेक, परफेक्ट–फिट और मॉडर्न टच वाला है, जो पूरे आउटफिट को एक शार्प, चिक फिनिश देता है.
बालों को उन्होंने नेचुरली ओपन रखा है, जो उनके शोल्डर्स पर गिरते हुए बहुत ही एस्थेटिक फील क्रिएट कर रहे हैं. लाइट ब्राउन और सॉफ्ट हाइला इट्स उनके हेयर को और भी फ्रेश और ग्लॉसी लुक दे रहे हैं। फेस मेकअप की बात करें तो एक्ट्रेस ने नो–मेकअप मेकअप वाइब को चूज़ किया है. स्मूद बेस, पीची ब्लश, हल्की ब्रॉन्ज़िंग और ग्लॉसी न्यूड लिप्स, सब कुछ उनके नेचुरल ग्लो को एनहांस कर रहा है.
आइज़ पर सॉफ्ट गोल्डन शिमर और लाइटली फिल्ड ब्रोज़ उनके एक्सप्रेशन को ड्रीमी और रोमांटिक बना रहे हैं. इस पूरे लुक में उनकी क्लोज़्ड–आइज़ पोज़ इतनी स्टनिंग लग रही है कि फोटोसीरीज़ में एक अलग ही सिनेमैटिक फील आ रही है.
नेक पर उन्होंने एक डेलिकेट स्टोन चोकर पहना है, जो आउटफिट के साथ सिंपल होने के बावजूद क्लासी स्टेटमेंट देता है. जूलरी मिनिमल रखते हुए उन्होंने ओवरऑल लुक को एलीगेंट रखा, जिससे फोकस उनके एक्सप्रेशंस और आउटफिट पर बना रहता है.
इस फोटो में उनका पोज़ दोनों हाथों को बालों में ले जाते हुए है जो एक ग्रेसफुल, कॉन्फिडेंट और फ्री–स्पिरिटेड वाइब देता है. सॉफ्ट लाइटिंग उनके चेहरे पर नेचुरली पड़ रही है, जिससे स्किन ग्लो और भी ज्यादा हाइलाइट हो रहा है. सोशल मीडिया पर फैंस लगातार उनकी तारीफ कर रहे हैं. किसी ने लिखा 'उफ्फ ये ग्लो', तो किसी ने कहा 'ब्लैक में तो आग लगा दी', जबकि कई फैंस उन्हें फायर क्वीन और गॉर्जियस कह रहे हैं. कुल मिलाकर, ये ब्लैक साड़ी फोटोशूट प्योर क्लैसी, प्योर ग्लैम और प्योर कॉन्फिडेंस वाइब्स देता है और यही वजह है कि ये लुक इंटरनेट पर धड़ाधड़ वायरल हो रहा है।

रोहित और कोहली के अनुबंध पर बीसीसीआई एजीएम में होगी चर्चा

स्पोर्ट्स डेस्क। रोहित शर्मा और विराट कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते हैं। ऐसे में बीसीसीआई शीर्ष परिषद की एजीएम के दौरान इन दोनों दिग्गजों के वार्षिक अनुबंध पर चर्चा संभव है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद होगी। इस एजीएम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के अनुबंध को लेकर चर्चा हो सकती है। माना यह जा रहा है कि भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का प्रमोशन हो सकता है और उन्हें अनुबंध में ए प्लस श्रेणी में रखा जा सकता है।

22 दिसंबर को होगी बीसीसीआई की एजीएम

बीसीसीआई जब वार्षिक अनुबंध की घोषणा करेगा तो इस बात की संभावना अधिक है कि गिल सीनियर ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ ए प्लस श्रेणी में शामिल होंगे। गिल फिलहाल ए खिलाड़ियों की श्रेणी में हैं। बीसीसीआई की एजीएम 22 दिसंबर को होगी। शीर्ष परिषद की 31वीं एजीएम ऑनलाइन होगी जिसमें कोहली और रोहित के अनुबंध पर फैसला होने की उम्मीद है। ये दोनों पिछले एक साल में टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलते हैं।

अन्य मामलों में अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान में बदलाव के साथ–साथ बोर्ड की डिजिटल संपत्तियों के अपडेट पर भी चर्चा होगी। यह बीसीसीआई के अधिकारियों में बदलाव के बाद शीर्ष परिषद की पहली एजीएम होगी। मिथुन मन्हास सितंबर में बोर्ड के अध्यक्ष बने और रघुराम भट्ट को कोषाध्यक्ष बनाया गया, जबकि देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को क्रमशः सचिव और संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। बोर्ड के पिछले चुनावों में सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जयदेव शाह भी काउंसलर के तौर पर बोर्ड में शामिल हुए।

2024–25 के लिए बीसीसीआई के वार्षिक अनुबंध में शामिल खिलाड़ी

ग्रेड ए+: रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जड़ेजा।
ग्रेड ए: मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत।
ग्रेड बी: सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर।
ग्रेड सी: रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, नीतीश कुमार रेड्डी, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा।

'मैं मीठी बातें नहीं करता, खेल ही मेरी असली पहचान'

हार्दिक पांड्या ने कहा कि हर बार जब वे मैदान पर उतरते हैं, उन्हें लगता है कि हजारों लोग सिर्फ उन्हें खेलने के लिए इंतजार कर रहे हैं और यही उन्हें और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देता है।

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में दमदार वापसी करते हुए साबित कर दिया कि चोटें उनके जज्बे को कम नहीं कर सकतीं। लगभग दो महीने तक लेफ्ट क्वाड्रिसेप्स इंजरी से जूझने के बाद पांड्या ने न सिर्फ बल्ले से 28 गेंदों में नाबाद 59 रन ठोके, बल्कि गेंद से भी 1/16 लेकर भारत की 101 रन की बड़ी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्या कोहली–रोहित की सैलरी से कटेंगे 2–2 करोड़, कैसे तय होता है खिलाड़ी का वेतन

स्पोर्ट्स डेस्क। बीसीसीआई के कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि एक प्रदर्शन–आधारित, फॉर्मेट–प्राथमिकता और अनुशासन–केंद्रित मॉडल हैं। कोहली और रोहित भले ही भारत के सबसे बड़े सितारे हों, लेकिन टेस्ट और ज्20प् से दूरी ने उनके ग्रेड को प्रभावित किया है।

अब सबकी नजर इस बात पर है कि अगले कॉन्ट्रैक्ट चक्र में बोर्ड इन दिग्गजों को किस श्रेणी में रखता है। भारतीय क्रिकेट में अगले चक्र के बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट यानी केंद्रीय अनुबंध को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अप्रैल 2025 में जारी हुए पिछले कॉन्ट्रैक्ट के बाद अब नए चक्र से पहले यह खबर तेजी से फैल रही है कि टीम इंडिया के दो दिग्गज, विराट कोहली और रोहित शर्मा को अगले सत्र में वेतन कटौती का सामना करना पड़ सकता है।

कोहली और रोहित सिर्फ एक प्रारूप, वनडे में टीम का हिस्सा हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बोर्ड इसे देखते हुए, एक ग्रेड कम करने पर विचार कर रहा है। ये कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ खिलाड़ियों को एक साल का वेतन देने का जरिया नहीं हैं, बल्कि यह बीसीसीआई का एक सुव्यवस्थित मॉडल है जिसके जरिए प्रदर्शन, निरंतरता, क्रिकेट के अलग–अलग प्रारूपों में योगदान और चयनकर्ताओं के मूल्यांकन के आधार पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में बीसीसीआई ने कई चौंकाने वाले फैसले भी लिए, जिसकी कभी सराहना हुई तो कभी आलोचना झेलनी पड़ी।

केंद्रीय अनुबंध में जगह बनाने के लिए बीसीसीआई ने पिछले चक्र में कुछ बदलाव भी किए थे। आइए इसके बारे में जानते हैं...

बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट कैसे काम करता है?

बीसीसीआई हर साल खिलाड़ियों को चार ग्रेड में बांटता है– ए+ (।+), ए (।), बी (ठ), और सी (ब्)। हर ग्रेड के साथ एक तय सालाना वेतन जुड़ा होता है, जिसे रिटेनर फीस कहा जाता है।

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से मिलने वाली राशि मैच फीस से अलग होती है, यानी खिलाड़ी चाहे जितने मैच खेलें, यह वार्षिक रिटेनर तय रहता है।

ए+ ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें गिने चुने और नामी क्रिकेटर होते हैं।

ए ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना पांच करोड़ रुपये सैलरी मिलती। इसमें भी अहम खिलाड़ियों को जगह दी जाती है।

बी ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना तीन करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें ज्यादातर वो खिलाड़ी होते हैं, जो एक या दो फॉर्मेट में खेल रहे हों, लेकिन कोर टीम का हिस्सा हैं।

सी ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना एक करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें वो खिलाड़ी होते हैं, जिनकी टीम में जगह हमेशा पक्की न हो या फिर जिन्हें ज्यादा मैचों का अनुभव न हो। या फिर किसी एक फॉर्मेट में तय मैच खेल चुके हों। इसमें खिलाड़ियों की एंट्री होती रहती है।

1. फॉर्मेट प्राथमिकता और टेस्ट क्रिकेट का महत्व

बीसीसीआई की नीति में टेस्ट क्रिकेट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। जो खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं, या फिर टेस्ट में बड़ा योगदान देते हैं, उन्हें ए+ ग्रेड मिलता है। इसी आधार पर उम्मीद है कि भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को आने वाले चक्र में ए+ श्रेणी में शामिल किया जा सकता है।

2. प्रदर्शन और निरंतरता सबसे अहम

खिलाड़ियों का ग्रेड उनके पिछले कॉन्ट्रैक्ट साइकिल के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। लगातार अच्छा प्रदर्शन करने पर प्रमोशन दिया जाता है। वहीं, फॉर्म, फिटनेस या भागीदारी में गिरावट पर डिमोशन दिया जाता है।इसी वजह से कोहली और रोहित की स्थिति पर चर्चा शुरू हुई है।

3. न्यूनतम मैच खेलने का नियम

किसी भी खिलाड़ी को ग्रेड सी के लिए पात्र बनने के लिए न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने होते हैं। जैसे किसी एक खिलाड़ी को सी ग्रेड में शामिल होने के लिए तीन टेस्ट, आठ वनडे या 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलना जरूरी है। सिर्फ ज्यादा मैच खेलने से उच्च ग्रेड नहीं मिलता, फॉर्मेट की प्राथमिकता और प्रदर्शन ज्यादा महत्वपूर्ण है।

4. घरेलू क्रिकेट में उपस्थिति अनिवार्य

हाल के वर्षों में बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि जो खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए नहीं खेल रहे हैं, उन्हें घरेलू क्रिकेट, खासकर रणजी ट्रॉफी खेलना होगा। इस नियम का पालन न करने पर कई खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट से बाहर भी किया गया है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन इसका सटीक उदाहरण हैं।

क्या RO&KO का सच में वेतन कटेगा?

कोहली और रोहित वर्तमान कॉन्ट्रैक्ट में ए+ श्रेणी में शामिल हैं, लेकिन भविष्य में यह बदल सकता है। दोनों खिलाड़ी अब टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेलते। ए+ श्रेणी केवल ऑल–फॉर्मेट खिलाड़ियों के लिए रखी जाती है। ऐसे में मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा जा रहा है कि दोनों को ए ग्रेड में डाला जा सकता है।

कितना नुकसान होगा?

ए+ ग्रेड वालों को सात करोड़ रुपये मिलते हैं और ए ग्रेड वालों को पांच करोड़। यानी दोनों खिलाड़ियों को दो करोड़ रुपये प्रति वर्ष की कमी झेलनी पड़ सकती है।

जडेजा की स्थिति अलग क्यों?

रवींद्र जडेजा ने भले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया हो, लेकिन वह अभी भी भारत की टेस्ट टीम का अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए वह संभवतः ए+ श्रेणी में बने रह सकते हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

मुल्लांपुर में पहली बार होगा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में दमदार प्रदर्शन किया था और अब उसकी नजरें ये लय बरकरार रखने पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में जीत से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम दूसरे टी20 में भी दमदार प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर में खेला जाएगा। सितंबर में दो महिला वनडे मैचों की मेजबानी करने के बाद इस मैदान पर पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। भारत की नजरें इस दौरान सीरीज में 2–0 की बढ़त दर्ज करने पर टिकी होंगी।

युवराज–हरमनप्रीत के नाम स्टैंड का होगा अनावरण

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20 मैच के दौरान न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह और भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर बने स्टैंड का भी अनावरण किया जाएगा। युवराज ने 2011 वनडे विश्व कप में भारत को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जबकि भारतीय महिला टीम ने इस साल हरमनप्रीत की कप्तानी में पहली बार वनडे विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

गिल पर रहेगी नजरें

अभी तक सबसे छोटे प्रारूप में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे शुभमन गिल दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने घरेलू मैदान पर फॉर्म में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांच मैचों की इस सीरीज के पहले दो मैचों के बीच केवल एक दिन का अंतराल है और ऐसे में गिल को सीधे मैदान पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन टी20 में वह अपनी इस सफलता को नहीं दोहरा पाए हैं जिससे उन पर दबाव बनना स्वाभाविक है।

हम यहां आपको भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले दूसरे टी20 मैच की लाइव स्ट्रीमिंग से जुड़ी जानकारी दे रहे हैं...

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 कब खेला जाएगा?

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 11 दिसंबर यानी गुरुवार को खेला जाएगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 कहां खेला जाएगा?

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 मुल्लांपुर के महाराजा यदविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 कितने बजे से खेला जाएगा?

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 शाम 7:00 बजे से शुरू होगा जबकि टॉस इससे आधे घंटे पहले शाम 6:30 बजे होगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 कहां देख पाएंगे?

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के सभी चैनलों पर टेलीकास्ट होगा। इसके अलावा जियोहॉटस्टार एप पर मैच की लाइव स्ट्रीमिंग होगी। आप ।उंतनरंसं.बवउ पर भी मैच के लाइव अपडेट्स पढ़ सकते हैं।